बेन के साथ बहादुर

क्रिस्टोफर मैटिनगले

चित्र: एलिजाबेथ हनी

हिंदी: जलज शर्मा

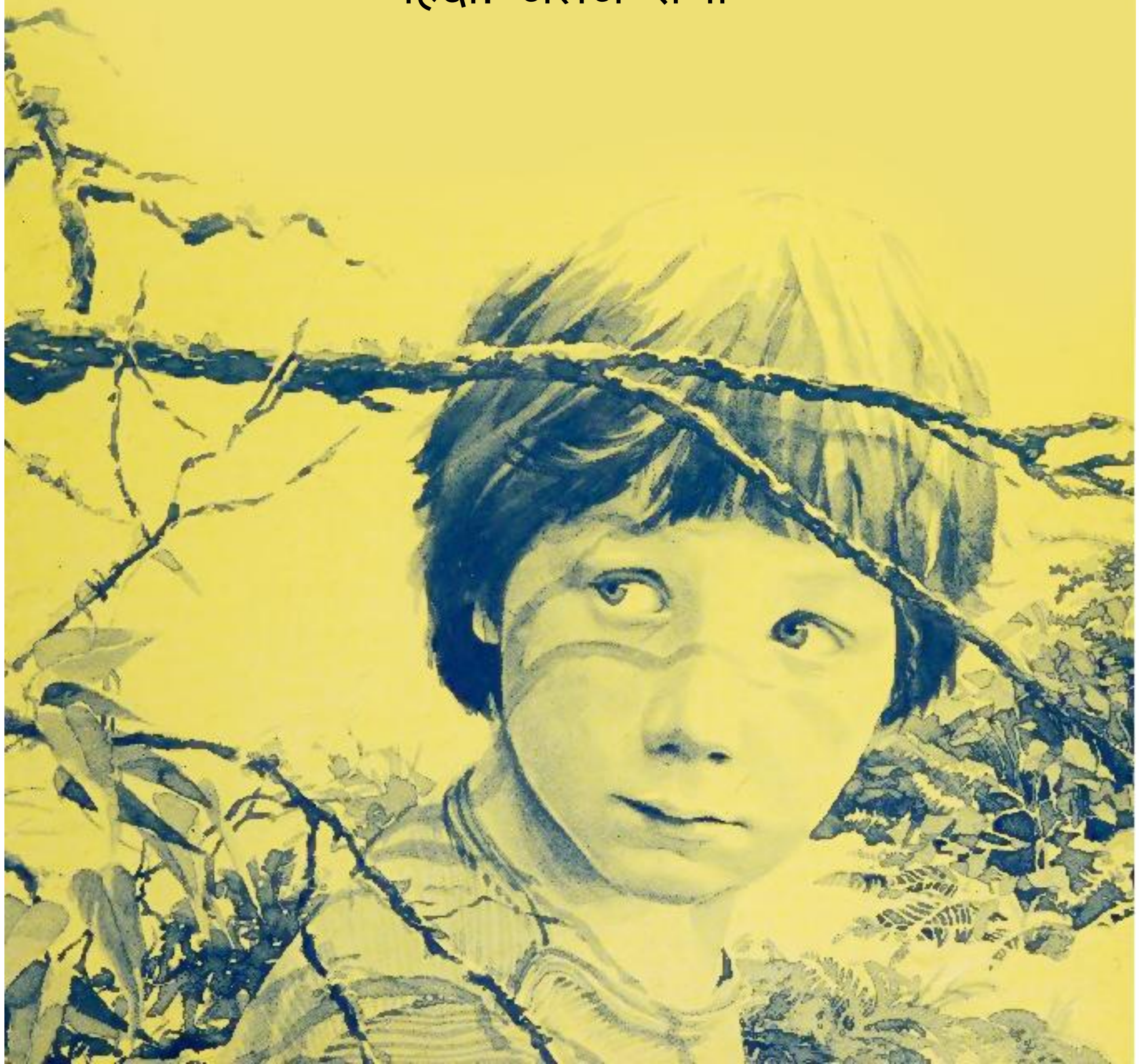

दादी मां का बगीचा बहुत बड़ा था। वह जंगली झाड़ियों एवं नोकीली घास से भरा हुआ था।

जब पीटर वहां रहने आया तो दादी मां बोली,"तुम्हें बगीचे में घूमने में मज़ा आएगा।"

किन्तु पीटर को वहां डर लगता। जंगली घास से उसे खरोंच लग जाती झाड़ियां उसे जकड़ लेती और साये उसे डराते।

फिर बेन आया। बेन भौंकता और अपनी पूंछ हिलाता। वह पत्तियों को सूंघता और झाड़ियों को रौंद डालता। बेन बहादुर था। और उसके साथ पीटर भी बहादुर हो गया।

बेन के साथ बहादुर

पिक्सी और बेन को

बेन के साथ बहादुर

क्रिस्टोफर मैटिनगले

चित्र: एलिजाबेथ हनी

हिंदी: जलज शर्मा

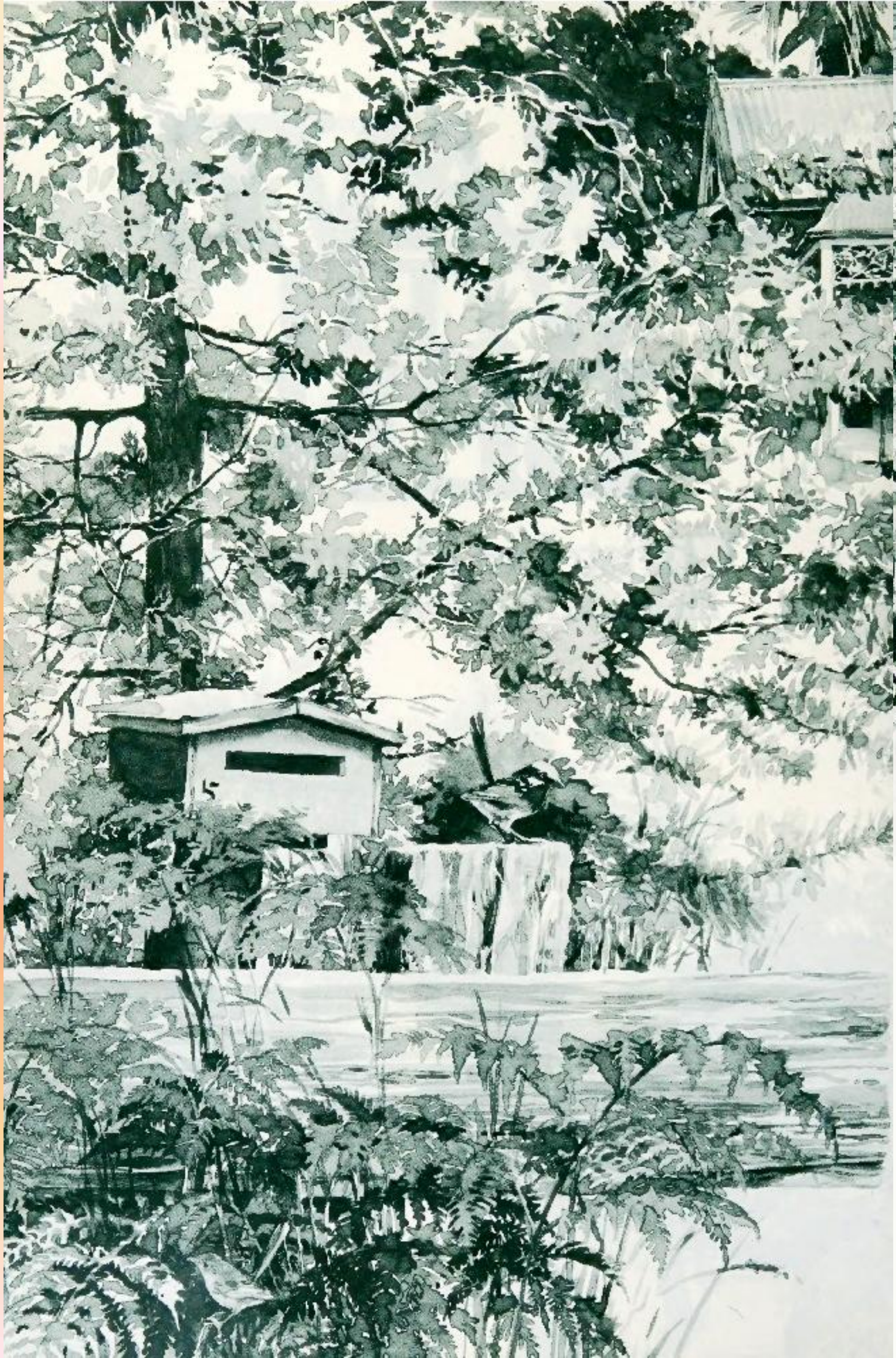

दादी मां का बगीचा बहुत बड़ा था। वह जंगली झाड़ियों एवं नोकीली घास से भरा हुआ था। पेड़ दोमंजिला इमारतों से भी ऊंचे थे। कतबारों और झाड़ियों के बीच से निकलती, पतली पगडंडियाँ घनी झाड़ियों और लताओं में खो जाती।

पहली बार आए, अकेले घूमते पीटर के लिए वह एक अजीब, अनदेखी, अपरिचित जगह थी।

यह इतना बड़ा था कि उसका घर और उस जैसे सात आठ और घर उसमें समा जाते। पर पीटर का घर अलग था। उसके घर के आगे एक साफ घास का मैदान था जिसमें वह अपने दोस्तों को साथ क्रिकेट खेलता था। घर के पिछवाड़े में फलों के वृक्ष थे और पक्की पगडंडियां थी जिनपर वह आराम से अपनी साइकिल चलाता। ऊपर से नीचे, कपड़े सुखाने की जगह के करीब, चूल्हे के पास और सब्जी की क्यारियों के किनारों तक।

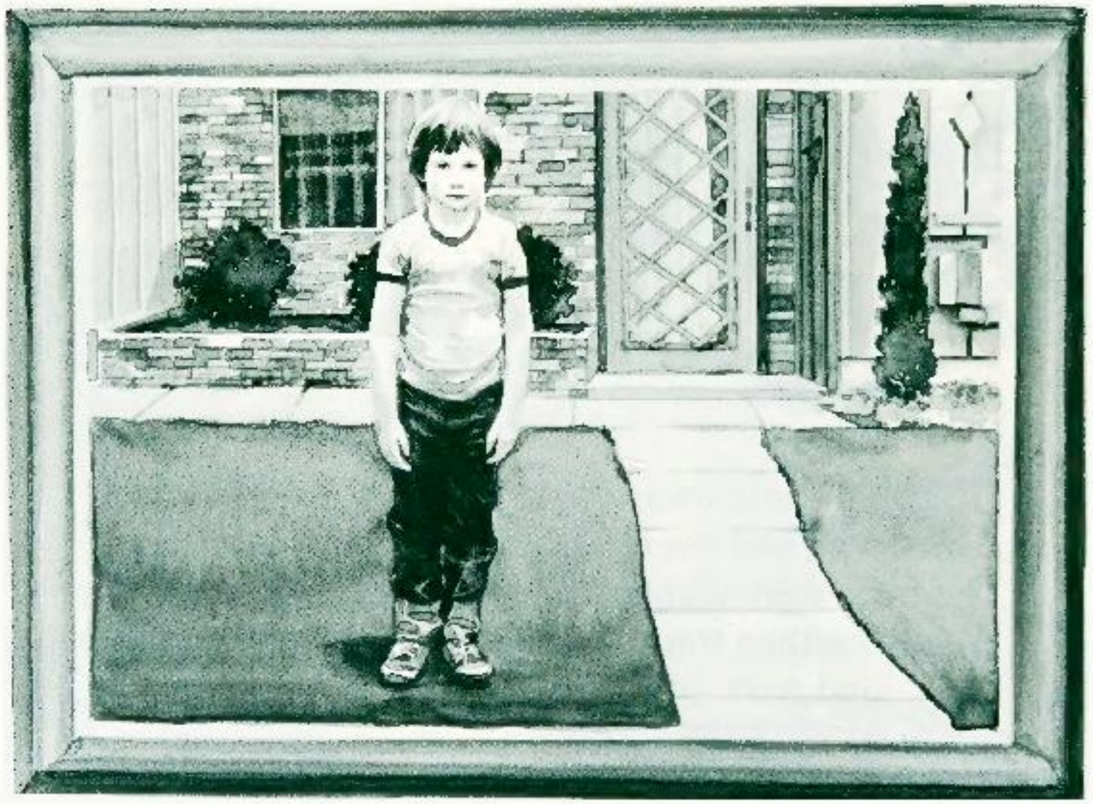

दादी मां का बगीचा तो एक जंगल था। एक बीहड़ न की कोई बगीचा और वह नितांत अकेला था।

दादी ने उसे उसका कमरा दिखाया, उसने अपना सामान करीने से रखा और उनके लिए बनाया चायदान रखने का स्टैंड उन्हें दिया।

दादी बोली, "अब तुम्हें बाहर जाने का मन होगा। अब तुम्हारा इधर उधर देखने का मन होगा” किन्तु बेन का मन डांवाडोल हो रहा था।

वह धीरे-धीरे उनके पीछे दरवाजे तक आया और एक एक करके सीढियां उतरने लगा।

वहां से एक रास्ता पीछे की ओर जा रहा था, वह सामने वाली पगडंडियां जो झाड़ियों में खो जाती लग रही थी, से अधिक साफ और इस्तेमाल किया लग रहा था। पीटर उसपर चल पड़ा।

रंगीन छज्जों पर सूरज की गर्मी महसूस हो रही थी। सफेद जर्मेनियम की पृष्ठभूमि में लाल फूल और भी सुंदर लग रहे थे। यह उनके घर पर भी उगते हैं।वह रूका और उसने प्यार से नरम पत्तियों को सहलाया।

घर के एक कोने से वह रास्ता कपड़े सुखाने की तार तक पहुंच गया। दादी ने वहां कपड़े सुखाने के लिए डाल रखे थे। दो गोंद के वृक्षों के बीच में एक तार बंधी हुई थी। कपड़ों के नीचे, जमीन पर तीन पत्तियों वाली घास का बिछौना था और गुलाबी फूलों पर मधुमक्खियां मचल रही थीं। पीटर बहुत देर तक चार पत्तियों वाली घास ढूंढने में लगा रहा किन्तु ढूंढ नहीं पाया।

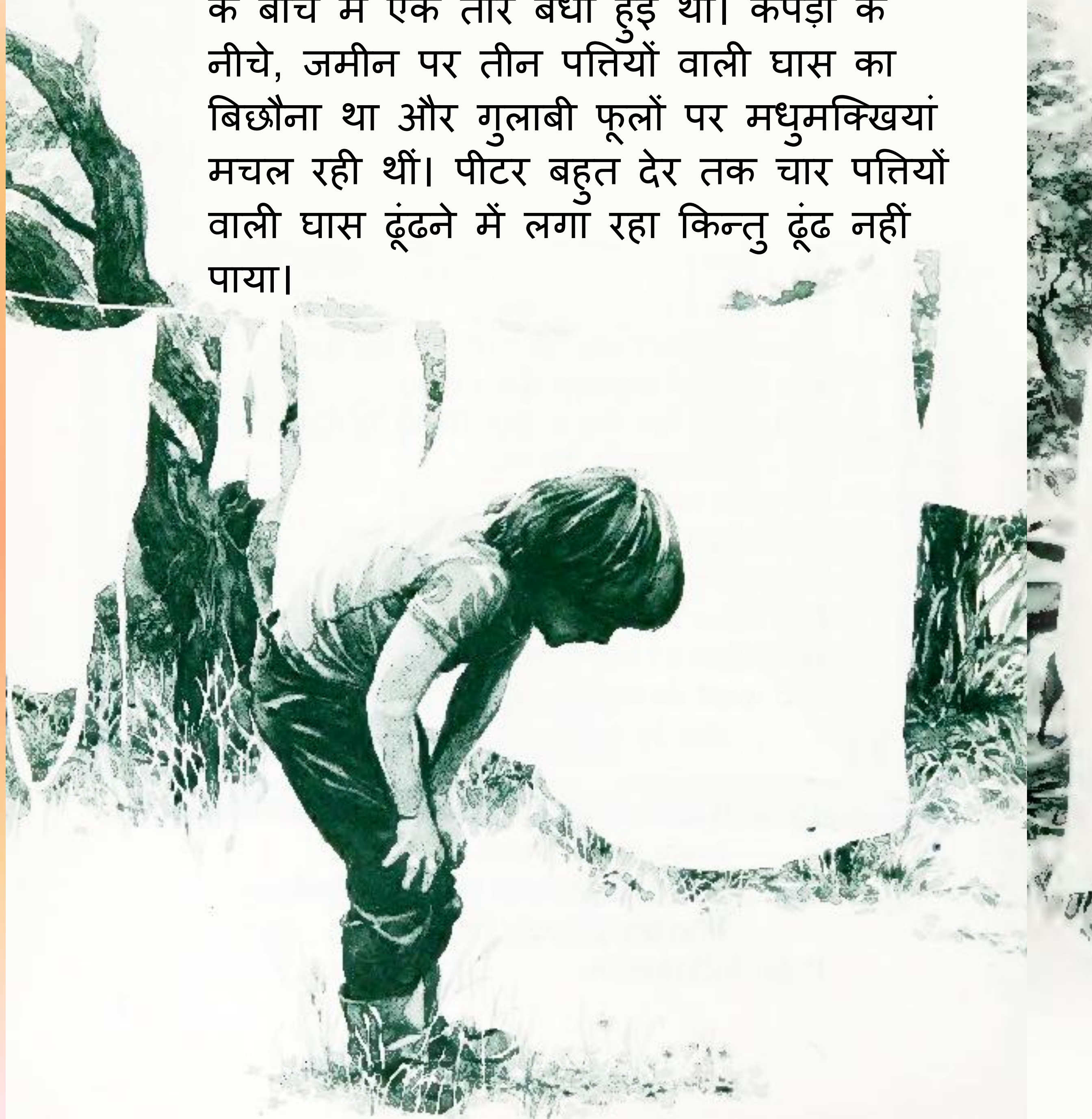

मधुमक्खियां अगले कोने की ओर जा रही थी। पीटर उनके पीछे चल पड़ा। वह अपने घर की ओर जा रही थी, एक सफेद डिब्बे, उसकी सफ़ेद टांगें, एक घर, एक फैक्टरी, एक राजमहल, सब एक साथ।

पीटर ने देखा कि मधुमक्खियां पराग से भरे सुनहरे थैले लिए लगातार आ जा रही थी।

पीटर का कमरा तीसरे कोने में था। उसकी खिड़की के बाहर एक सेब का पेड़ था जिसकी डालियां सेबों से लदी हुई थी। पीटर ने एक सेब तोड़ा। वह हरा, ठोस और खट्टा था। अफ्रीका के जंगलों के मध्य में फंसे खोजकर्ता को भी वह स्वाद नहीं लगता। पीटर ने उसे थूक दिया।

उसे पता था कि रास्ता वापस रसोईघर की सीढियों की तरफ जाता था जहां धनिये और पुदीने के गमले लगे हुए थे। दादी वहीं सैंडविच के पैकेट के साथ उसका इंतजार कर रही थी। "पिकनिक के लिए खाना," वह बोली ,"इसे लेकर तुम बगीचे में जहां भी जाना चाहो, जा सकते हो।"

हवा से पेड़ धीरे धीरे सिसकते हुए लग रहे थे और उनकी छाया में पगडंडियां काली गुफाएं प्रतीत होती थी।

पीटर ने उन्हें धन्यवाद दिया और पैकेट ले लिया। वह बोला, "लेकिन मैं आपके साथ ही खाना खाऊंगा क्योंकि पिताजी ने कहा था कि किसी का साथ आपको अच्छा लगेगा।"

दादी मां उसकी ओर देखकर मुस्कुराई और उन्होंने रसोईघर की मेज पर एक तरफ कपड़ा बिछा दिया और पीटर ने वहां बैठ, बाहर हिलते हुए पेड़ों को देखते हुए, प्लेट में रख कर खाना खाया।

खाने के बाद दादी ने फिर से कहा, "अब तुम्हें बाहर जाने का मन होगा।" पर पीटर नहीं हिला। दादी ने फिर पूछा, "अब तुम्हें बाहर जाकर खोज करने का मन हो रहा होगा।" पीटर ने कोई उत्तर नहीं दिया। दादी ने उसे ध्यान से देखा और बोली, "बाहर देखने की बहुत सी चीजें हैं,

व्हेल मछली की हड्डी,

मछलियों का घर,

आग तापने का स्थान।

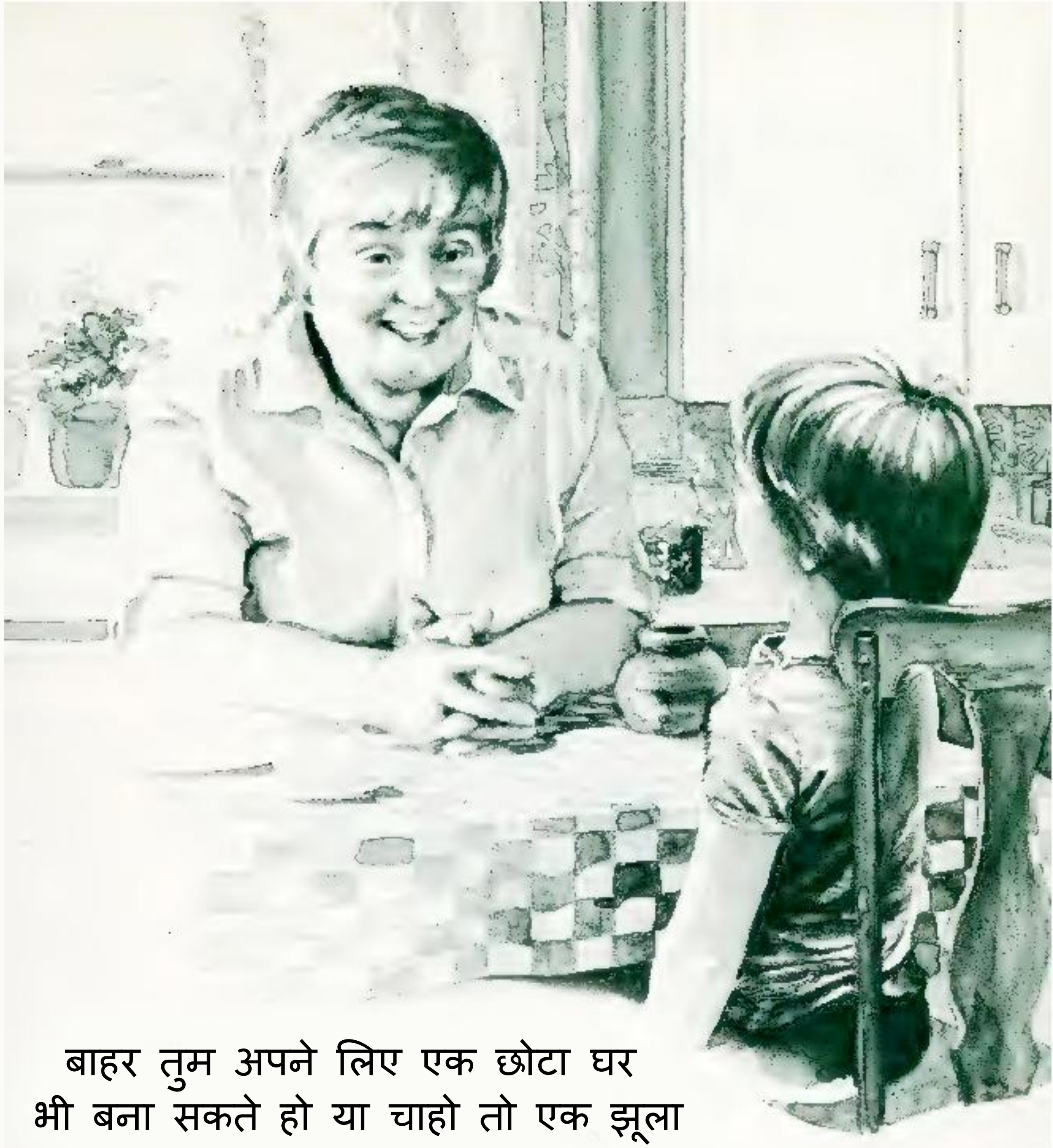

बाहर तुम अपने लिए एक छोटा घर भी बना सकते हो या चाहो तो एक झूला भी डाल सकते हो।

बाहर तुम्हारे करने के लिए एक काम भी है। तुम दोनों जेबों में आग में डालने के लिए गोंद के बीज लेकर आना। वह तुम्हें सबसे ऊंचे पेड़ के नीचे मिलेंगे और इस तरह तुम उन सभी को जान जाओगे।" उन्होंने एक भूरे मर्तबान में से कुछ निकाल कर पीटर को दिया। वह छोटा, गोल और हरे-नीले रंग का था।”

यह नीचे से खुरदरा और चार भागों में बंटा हुआ था। ऊपर से यह मुलायम और पांच कोनों वाले तारे जैसा था जिसमें छोटे छोटे भूरे लाल रंग के बीज थे। उसकी गर्म हथेली से एक तीखी गंध आई जिससे उसे लम्बी सांस लेने की इच्छा हुई। नीलगिरी की खुशबू। "भूलना नहीं," दादी ने कहा, "सबसे ऊंचा पेड़।"

पीटर ने खिड़की में से बाहर झांका। हवा में सैकड़ों पेड़ लहरा और झुक रहे थे। कभी यह तो कभी वह उसे सबसे बड़ा दिखाई दे रहा था, जैसे कि नीले आसमान में हरी लहरों का एक समुंद्र। इसमें सबसे बड़ी लहर को कैसे ढूंढेगा वह। इसके लिए तो उसे पेड़ के नीचे खड़ा होकर ही देखना होगा।

पीटर ने एक लंबी सांस ली और पगडंडी पर चल पड़ा। उसे हर तरफ नीलगिरी की तीखी गंध आ रही थी। शायद वह पेड़ पास ही है। उसने अपनी उंगलियों से जेब में रखे बीज को जोर से दबाया और आशापूर्ण नेत्रों से अपने आसपास देखा। जंगली सारू, बनकसिया, टी ट्री और कीकर की नीचे तक लटकती टहनियों से रास्ता इस तरह भरा पड़ा था कि पीटर मुश्किल से ही नीले आसमान को देख पा रहा था।

पैरों के नीचे की जमीन कुरकुरी और ऊबड़-खाबड़ थी। बीज और शंकु, टहनियां और पत्तियां, जंगली सारू के लहरदार शंकु, की टी ट्री के साफ छोटे बीज, कीकर की मटर जैसी फलियां, और दाढ़ी मूंछ वाले आदमी से दिखते बनकसिया के बीज, इसके अलावा वहां ढेरों प्रकार के गोंद के बीज थे किन्तु जो उसे चाहिए थे वे बीज कहीं नहीं थे। उसे आगे ही जाना पड़ेगा।

समुद्र में पानी की लहर सी पगडंडी ने उमड़ती हरियाली में एक मोड़ लिया और पीटर भी उसमें समा गया। पत्तियों के बीच की दरारों में से टूटी-फूटी रौशनी आ रही थी। सामने की झाड़ियां एक व्हेल मछली सी लग रही थी। व्हेल की हड्डी?

पीटर ने खोजा पर वहां ऐसा कुछ नहीं था। वह तेजी से आगे बढ़ा।

आधी अधूरी रौशनी में, हरे और सुनहरे डंठल पीटर के हाथों पर पटर-पटर पड़ रहे थे, और तलवार जैसी घास के गुच्छे उसके बालों पर नुकीले पंजे की तरह आ रहे थे। ऊपर से एक कठोर सूखी गड़गड़ाहट की आवाज़ आ रही थी, जैसे की एक विशालकाय राक्षस कंचे खेल रहा हो। लेकिन पीटर भाग नहीं सका क्योंकि एक कांटेदार लता ने उसके कपड़े पकड़ लिए थे। उसने जितना हो सके खुद को अलग कर लिया, और खून से लथपथ उंगलियों को चूसते हुए, जल्दी से आगे बढ़ गया।

पगडंडी अब दो भागों में बंट रही थी। उसने दो गहरी सांसें लीं। बाएँ या दाएँ? कौन सा रास्ता सबसे ऊँचे पेड़ की ओर ले जाएगा? या वे दोनों गलत रास्ते थे? उसने बाएं हाथ वाले रास्ते को चुना और खरोंचने वाले कतबारों के मध्य से आगे बढ़ा, जहां बबूल के वृक्षों में से लाइकेन के चेहरे उसकी ओर देख रहे थे। एक ऊँचे पेड़ की पत्तियों से परे फर्नों में सींगों के साथ एक अजीब जानवर का सिर उभरा। पीटर मुड़ गया और जल्दी से वापस चल पड़ा।

दाहिने हाथ के रास्ते में मकड़ियों के मोटे और झूलते हुए जाल लटके हुए थे जो पीटर के चेहरे पर लेप करते हुए, उसके बालों से चिपक गए। उन्हें दूर धकेलते हुए, वह सबसे ऊँचे पेड़ की तलाश में दौड़ पड़ा। सामने एक बंकसिया अचानक अंकुरित हो गया क्योंकि छह काले फड़फड़ाने वाले पक्षी कर्कश रूप से चिल्लाते हुए उड़ गए। पीटर स्थिर खड़ा रहा और तब तक कांपता रहा जब तक कि उनके रोने की गूंज समाप्त नहीं हो गई थी। उसने अपने भारी पैरों को फिर से डरावने रास्ते पर चलने के लिए मजबूर कर दिया। वह जिस पेड़ को ढूंढ रहा था वह कहां था? वो कहाँ हो सकता था?

ब्रैकेन में एक सरसराहट थी। पीटर फिर से जम गया। ट्रैक पर जीवित प्राणियों की तरह छायाएँ चमकती थीं, और चमकदार धूप के फटने से गहरे हरे रंग की छत टूट गई, जिससे पीटर की आंखें चौंधिया गई। उनके सामने पगडंडी पर लंबा काला सांप जैसा कुछ पड़ा था।

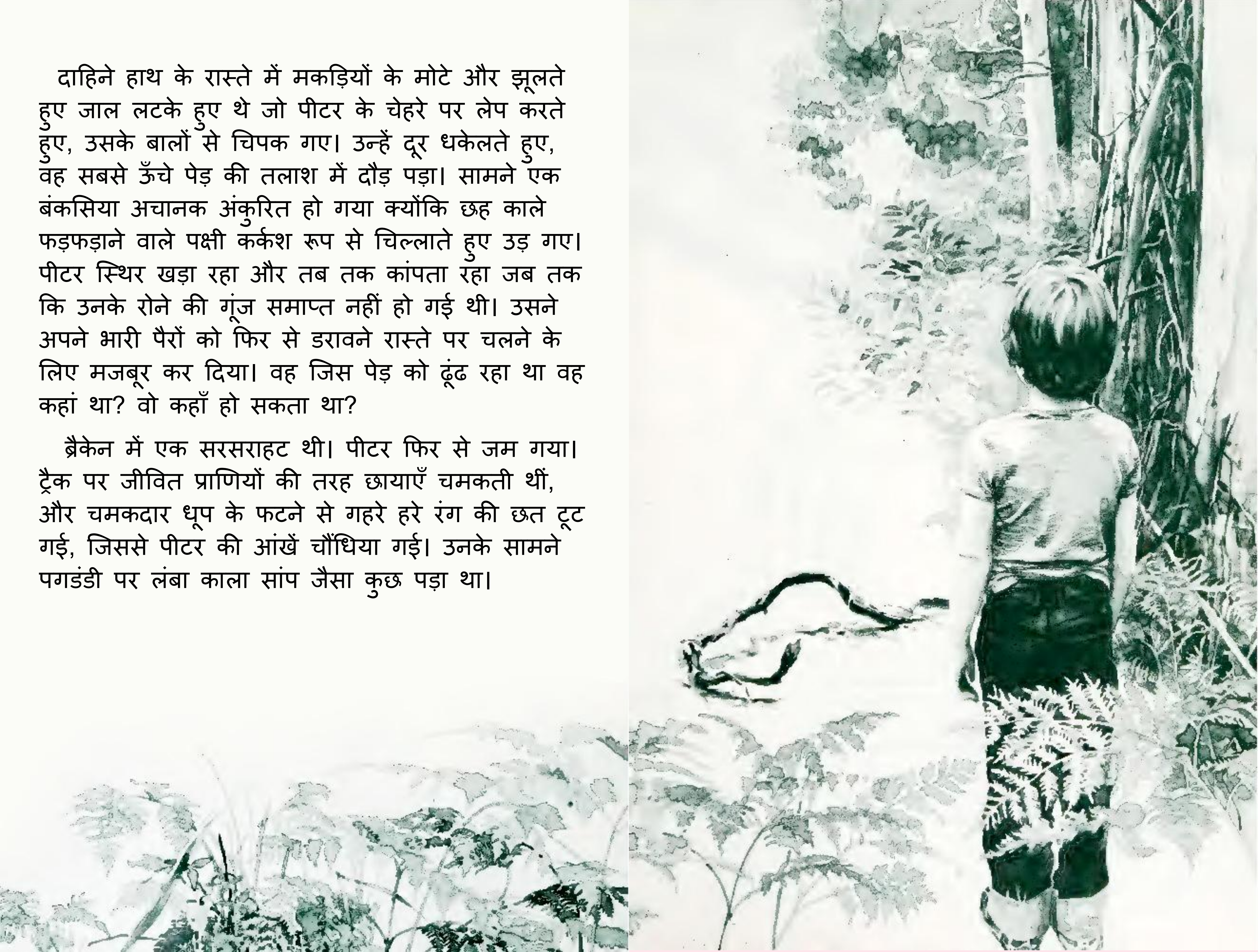

पीटर मुड़ा और भागने लगा। दौड़ते हुए और भागते हुए, कूदते हुए, फिसलते हुए, गलती करते हुए, ठोकर खाते हुए। यह मीलों की तरह लग रहा था। घंटों की तरह लग रहा था। और फिर भी जब वह झाड़ी से बाहर निकला तो दादी रसोई की सीढ़ियों पर दोपहर के भोजन का कपड़ा हिला रही थी। उन्होने उसे नहीं देखा। पीटर ने अपनी जेब में गोंद का बीज खोजा। लेकिन वह खाली थी। अब उसे क्या करना चाहिए? दादी अंदर चली गई।

पीटर लंबी घास के बीच से निकलते हुए मधुमक्खी के छत्ते की ओर बढ़ा। वह उसके बगल में गिर गया और घास उसके चारों ओर एक दीवार, एक पर्दे की तरह उठ गई, ताकि उसे देखा न जा सके।

सबसे ऊँचा पेड़ कहाँ था? मधुमक्खियों को पता होना चाहिए। वह उन्हें धूप में झूमते और गुनगुनाते हुए इधर-उधर उड़ते हुए देखता था। और वह अपनी घास भरी छिपने की जगह पर सो गया। दादी की आवाज़ ने उसे जगा दिया। वह फिर से सीढ़ियों पर बिस्कुट और एक गिलास दूध के साथ खड़ी थी। "खोज करने से भूख लगती है", उन्होंने कहा. और पीटर ने दूध पिया और इच्छा की कि कोई जादू हो, और उसकी जेबें भूरे रंग के गोंद के बीज से भर जाएं। लेकिन वे अभी भी खाली थी सिवाय बिस्कुट के। "उन्हें अपने साथ ले जाओ। और अपनी गुप्त जगह पर खा लेना।"

पीटर मधुमक्खियों के पास वापस चला गया। ऐसा लगता है कि उन्हें उसके रहने से कोई फर्क नहीं पड़ता। वह उन्हें इधर-उधर उड़ते देख रहा था। वे सभी सबसे ऊँचे पेड़ को खोजने के लिए जाने का रास्ता जानते होंगे। पीटर ने एक तिपतिया घास का फूल चूसा और इच्छा की कि कोई जादू हो और मधुमक्खी की तरह उसके पंख उग आएं। वे सूंघ सकते थे और वे सीधे किसी भी पेड़ की ओर उड़ सकते थे।

दादी ने फिर से उसे बुलाया और पीटर अंदर चला गया। "हम अब आग जला देंगे", उन्होंने कहा, "और अपनी चाय के लिए कुछ ब्रेड पकाएंगे।" सूखी भूरे रंग की टहनियों और कुरकुरे भूरे रंग की छाल के जलने से आगे की लौ हर सेकंड मजबूत होती गई। दादी ने कहा, "आग में कुछ गोंद के बीज डालो और देखो कि उनमें कितनी अच्छी खुशबू आती है।"

पीटर के हाथ उसकी जेबों में थे, उसकी सुस्त और खाली जेबें। "मैं नहीं कर सकता", उसने कहा। "मुझे पेड़ नहीं मिला।" दादी ने मुस्कुराते हुए कहा।

"मुझे कोई आश्चर्य नहीं है। बगीचे में काफी जंगल है। मेरे लगाए पेड़ों के अलावा, दर्जनों ऐसे हैं जो स्वयं उग आए हैं, और कतबार और लताओं के साथ, यह वास्तव में अधिक उग गया है। लेकिन तुम्हारे पास खोज करने के लिए सात दिन हैं। और जब तक तुम उन्हें नहीं ढूंढ लेते, हमारे पास काफी बीज हैं।" पीटर ने कहा, “मैंने वह बीज भी खो दिया है जो आपने मुझे दिया था।" दादी फिर से मुस्कुरा दीं। "कोई बात नहीं। यहां सैकड़ों और भी हैं।" उन्होने भूरे रंग के पत्थर के जार को नीचे उतारा। "जब तुम्हें यह पेड़ मिलेगा तब तुम देखोगे।” उन्होने तारों गढे बीजों को पीटर के हाथों की ओर उछाल दिया।

उसने उन्हें आग में झोंक दिया और तुरंत कमरा नीलगिरी की खुशबू से भर गया।

उन्होंने ब्रेड के टुकड़ों को भुना और उनपर मक्खन और शहद फैलाया जो छेद के माध्यम से शहद पीटर की उंगलियों पर टपक गया। पीटर ने अपनी उंगलियाँ चाट लीं। शहद का स्वाद ऐसा था जैसे बगीचे की खुशबू आ रही हो।

चाय पीने के बाद उसने दादी से कहा, "टेलीविजन कहाँ है?" दादी ने जवाब दिया, "मेरे पास टेलीविजन नहीं है। 'यह पहाड़ों पर सिग्नल नहीं आता है। लेकिन मेरे यहाँ कुछ ऐसा है जो मुझे लगता है कि तुम्हें और भी अधिक पसंद आएगा।"

पर पीटर को ऐसा नहीं लगा, विशेष रूप से जब उन्होंने पुरानी और जीर्ण-शीर्ण पुस्तकों का ढेर दिया जिसके आवरण भी धुंधले थे। "तुम्हारे पिता को ये किताबें पसंद थीं," उन्होंने कहा।

उसने पृष्ठों को पलटना शुरू किया, चित्रों में अमेज़ॅन नदी में मगरमच्छ, एंडीज पहाड़ों में लामा, गालापैगोज द्वीप में कछुए और आर्कटिक टुंडला में रेनडीयर देखने में उसका मन लग गया।

उसमें कहानियाँ भी थीं - रॉबिन्सन क्रूसो, स्विस फैमिली रॉबिन्सन, लिविंगस्टोन और स्टेनली, स्कॉट और अमुंडसन। वह वास्तव में आश्चर्यचकित था जब दादी ने कहा, 'सोने का समय।'

बाहर हवा जोर से चल रही थी और सेब के पेड़ की टहनियों के खिड़की से खुरचने की आवाज आ रही थी। पीटर ने अपने कानों पर कंबल खींच लिया और मधुमक्खियों को गिनने लगा- वह एक और दो और तीन के झुंड में आ रही थीं। मधुमक्खियाँ, अपनी खोज के खजाने से लदी हुई, वह छत्ते के किनारे पर उतर रही थीं और धीरे से अन्दर जा कर अपना पराग रख रही थीं।

सिर पर गोलियों की गड़गड़ाहट जैसी तेज आवाजों ने पीटर को जगा दिया, और फिर एक जोरदार हाथापाई और लड़ाई की आवाज आई। पीटर बिना हिले कंबल के नीचे लेटा रहा और शोर बंद होने का इंतजार करता रहा, और जब वह रुक गया तो उसने फिर से शोर शुरू होने का इंतजार किया। मौन, फिर हवा का एक झोंका और एक खटखटाने वाली आवाज़ जिसे वह जानता था। बारिश हो रही थी। पीटर को मधुमक्खियों की याद आई। वो अपने नरम, सूखे छत्ते में आराम कर रही होंगी, जहाँ इकठ्ठा किया गया शहद सोने सा चमकाते होगा जैसे मक्खन लगने से चमकते ब्रेड।

और वह फिर से जाग गया। दादी खिड़की के पास धूप में खड़ी थी। "कल रात पॉसम ने तुम्हें जगाया?" उन्होंने पूछा। "पॉसम?" पीटर ने दोहराया। "वे सेबों के लिए पेड़ पर चढ़ जाते हैं

और बच्चों की तरह झगड़ते हैं।" "बच्चों की तरह?" "एक सेना की तरह।" पीटर एक पॉसम सेना के विचार पर मुस्कुराया।

नाश्ते के बाद दादी ने फिर कहा,

"अब तुम फिर से बाहर देखना चाहोगे।" पत्ते चांदी से चमक रहे थे और बारिश की बूंदें दूधिया, लाल, बैंगनी, हरे और नीले रंग झलका रही थीं। जैसे ही पीटर विशाल आसमान को देखते हुए सीढ़ियों पर खड़ा हुआ, दो आगंतुक आए। "हैलो", महिला ने कहा। "तुम पीटर हो न? मैं मिस डिग्बी हूँ और यह बेन है। शायद तुम दोनों एक साथ खेलना चाहेंगे। "

दादी अपने मेहमानों का अभिवादन करने के लिए बाहर आई। "पीटर, बेन को बगीचा दिखाओ, जब तक मिस डिग्बी और मैं बातचीत करते हैं।" बेन ने अपनी चमकीली भूरी आँखों से पीटर की ओर देखा और अपनी पूंछ हिलाई। उसने अपने हल्के भूरे कान ताने, अपने भूरे पंजे पीटर के घुटनों पर रखे और अपनी गुलाबी जीभ से पीटर का हाथ चाट लिया। मिस डिग्बी ने कहा, "वह कभी-कभी शरारत करता है और बुलाने पर नहीं आता है, इसलिए उसकी रस्सी पकड़ कर रखना।"

दादी ने कहा, “अगर तुम्हें व्हेल की हड्डी मिल जाए, तो तुम फायरप्लेस से दूर नहीं होगे। और अगर तुम्हें फायरप्लेस मिलता है, तो तुम सबसे ऊंचे पेड़ के बहुत करीब होगे। यह एक लोककथा में तीन सुरागों की तरह है। और यह तुम्हें रास्ते में मदद करने के लिए एक उपहार है। 'उसने पीटर को एक और गोंद का बीज दिया। इस बार पीटर को सूंघने की जरूरत नहीं पड़ी। इस बार उसे जादू की कामना करने की आवश्यकता नहीं थी। उसने गोंद का बीज बेन को सूंघाया। बेन की नाक में जादू था।

पीटर ने पट्टा लिया, लेकिन बेन आगे चल पड़ा। ऐसा लग रहा था कि वह ठीक से जानता था कि उसे कहाँ जाना है। वह उस ट्रैक पर चल पड़ा जिसे पीटर ने कल आजमाया था। उसका पदक खुशी से झूम रहा था और उसकी पूंछ झंडे की तरह लहरा रही थी। पीटर ध्यान से उसके पीछे चलता रहा। जब वह शंकुओं और बीजों को सूंघ रहा था, पीटर ने चारों ओर देखा और अब वहां देखना इतना आसान था। पीटर उत्साहित होकर चिल्लाया। कल व्हेल की तरह दिखने वाली झाड़ियों के काले कूबड़ पर पीटर चिल्लाया। बेन उत्साह से भौंकता हुआ हमला करने के लिए भागा। वह हमले के लिए एकदम तैयार था।

जब बेन झाड़ियों में खोज कर रहा था तो पीटर ने साहसपूर्वक देखा कि कल जो उसे फूले मोटे हरे रंग के गुच्छे और कंगारू के पंजों से नुकीले लग रहे थे वह दरअसल कतार के घने, गुथे हुए पत्ते थे जो अब बारिश के बाद अलग-अलग हो गये थे। बेन ने एक ताड़ के पेड़ पर अपना पैर रखा और पीटर ने उसके गले में सूखे पत्तों से बनी माला को देखा, जो हवा में विशाल पंखों सी उछल रही थी। सुबह की रोशनी में वह देख सकता था कि कांटेदार पकड़ वाली लता एक ब्लैकबेरी थी, जिसमें भारी मात्रा में पके और बारिश से धुले हुए फल लटक रहे थे। जब तक पीटर ने पेट भर ब्लैकबेरी खाई, बेन आराम से उसका इंतजार करता रहा। फिर पीटर ने अपने रस से भरे हाथों से उसकी रस्सी पकड़ी और वह आगे चल पड़े।

वे पगडंडी के बटने की जगह तक पहुँच गए और बेन बाईं ओर चला गया। जैसे ही वे पास से निकले, भीगा हुआ कतबार धीर-धीरे झुक गए, और पीटर ने शैवाल से ढके बबूल के गोल भूरे रंग के तने को एक घूसा मार दिया, जिससे वह शैवाल सर्कस के घोड़ों की तरह झूलने लगा। "हैलो," उसने कहा और बगीचे की रहस्यमई हरियाली के मध्य में से, जंगल के की सींगों वाले जानवरों से मुकाबला करने के लिए आगे बढ़ गया।

लेकिन बारिश ने शक्तिशाली स्टैगहॉर्न फ़र्न पर विजय प्राप्त कर ली थी। जिन टहनियों पर यह उगती थी, उनमें बारिश के पानी के वजन से दरार पड़ गई थी, और अब वह जमीन पर गिरा पड़ा था। पीटर ने उसे उठाकर वापस पेड़ पर टांग दिया और सोचा कि मैं बाद में आकर इसे ठीक कर दूंगा।

वह दादी के लिए कि यहाँ आया था। उन्हें किसी मज़बूत व्यक्ति की ज़रूरत थी जो उनकी मदद कर सके। बेन ने अपने इर्द-गिर्द फैली पत्तियों को हटाया और फिर जिस रास्ते से वे आया था उसी से वापस चला गया।

दाहिने हाथ के रास्ते में मकड़ियों के मोटे जाले बारिश की बूंदों की चमक और लेस से भरे लटके हुए थे। पीटर झुक कर निकल गया ताकि वह टूट कर उससे न लिपटे। बेन रुका और पीटर उसके पीछे रुका। सामने एक बनकसिया के पेड़ में छह बड़े पक्षी बैठे थे। पीटर ने कल से पहले उनके जैसे किसी पक्षी को नहीं देखा था। वे काकातुआ थे, परन्तु वे काले थे। पीटर ने पहले सिर्फ सफेद काकातुआ ही देखे थे जो चिड़ियाघर में रहते थे और आने वाले लोगों से बात करते थे।

"हैलो काकू, प्यारे काकू," पीटर ने जोर से आवाज लगाई। वे पक्षी तीखी आवाज में चिल्लाते हुए उड़ गए। पीटर ने एक लम्बा काला पंख उठा लिया। यह मां को उपहार में देने के लिए काम आएगा।

उसने बेन के कॉलर से पट्टा निकाला और बेन आगे की ओर भाग गया। लेकिन फिर वह रुक गया और पीटर का इंतजार करने लगा। रास्ते में एक लंबी काली छड़ी थी। पीटर ने उसे उठाया और नरम झाड़ी में फेंक दिया। "इसे लेकर आओ, बेन।" बेन कैसुरीना, बबूल, टी-ट्री और बैंनकसिया के बीच से टिमटिमाते हुए पैरों से भागा। और पीटर उसके पीछे हो लिया। ट्रैक के मोड़ पर बेन इंतजार कर रहा था, उसके मुंह में सांप जैसी काली छड़ी थी। दूर से सूरज की रोशनी किसी चीज़ पर चमक रही थी: वह एक व्हेल बोन थी।

यह एक कशेरुका थी, जो व्हेल की रीढ़ की हड्डी में बिल्कुल अपने स्थान पर लगने के लिए सही आकार की थी, जैसे कि एक विशाल पहेली का एक छोटा टुकड़ा, एक द्वीप समुद्र तट पर सूरज द्वारा प्रवाल की तरह सफेद, एक सिंहासन के आकार का, झाड़ियों के बगीचे में अकेले खड़ा था। इसके वक्र के खोखले हिस्से में, काई का एक मखमली तकिया उग आया था। पीटर उस पर बैठ गया। उन्हें पहला सुराग मिल गया था। उसने इसके बारे में सोचा, और उसके नीचे वह फिर से एक व्हेल में बदल गई, गर्म और मजबूत जो उसे गहरे हरे समुद्रों में ले जा रही थी।

पेड़ों के पास, मैदान में पत्थरों का ढेर दरअसल एक चट्टान था जिसके बराबर में एक उथला स्थान था। छाल के झूलते तारों के साथ सबसे लंबा पेड़ एक ताड था जिसमें से नारियल गिरते हुए लग रहे थे। मैन फ्राइडे के साथ, रॉबिन्सन क्रूसो और खोज करने चल पड़ा । वह चट्टान एक मजबूत फायरप्लेस थी, पत्थर को सावधानीपूर्वक पत्थर पर रखा गया था। उसने पुरानी ठंडी राख, काले और मृत अंगारों को हिलाया। उसे दूसरा सुराग मिल गया था।

उसने एक गहरी सांस ली। रॉबिन्सन क्रूसो ने समुद्र के नमक को सूंघ लिया होगा। लेकिन पीटर नीलगिरी की खुशबू सूंघ सकता था। उसने आकाश की ओर देखकर सबसे ऊँचे पेड़ की ओर देखा। इसकी लंबी हरी पत्तियों में नारियल के जैसी मोटे, गुच्छेदार गोंद के बीज लटके हुए थे। और उसके पैरों के नीचे छाल से छितरी हुई जमीन पर वे एक समुद्र तट पर दूर तक फैली सीपियों की तरह पड़े हुए थे। पीटर ने अपनी जेबों को तब तक भरा जब तक कि वह दोनों तरफ से उभर नहीं गई और वह झाड़ियों के बीच से एक मधुमक्खी की तरह वापस उड़ गया। "मुझे यह मिल गये है, दादी,"

"मुझे सबसे ऊँचा पेड़ मिल गया है।"

जिस मेज पर दादी और मिस डिग्बी चाय पी रहे थे, उस पर उसने अपने खजाने की बौछार कर दी, ताकि वे एक धूसर-हरे भूरे रंग की, तारों से छपी, झुनझुनी बारिश को नीचे गिरता देख सकें। और अचानक वह खुशनुमा आरामदायक कमरा नीलगिरी की मीठी जंगली खुशबू से भर गया।

पीटर की जेबें केवल एक पल के लिए खाली थीं। जब वह भूरे रंग के पत्थर के जार को भर रहा था, दादी लकड़ी के एक बक्से को खंगालकर उसमे से एक नक्काशीदार हड्डी के हैंडल वाला एक पुराना म्यान व चाकू और चमड़े के लिहाफ वाला माचिस का एक छोटा सा डिब्बा लेकर आई। "हर खोजकर्ता को क्या चाहिए," उन्होंने कहा और पीटर को एक कागज के लिफाफे में चॉप्स और कबाब दिये। "एक कबाब बेन के लिए है।" उन्होने कहा। पीटर ने उत्तर दिया, "जरुर"। "आग से सावधान रहना, भले ही झाड़ी गीली हो।" वह बोली। "जी,"पीटर ने कहा।

"मज़े करो," दादी ने फिर कहा।

"पक्का" पीटर बोला।

अब उनके पास एक पूरा दिन था
और एक पूरा बगीचा भी।